

“Berkata-katalah seorang kepada yang lain dalam mazmur,  
kidung puji-pujian, dan nyanyian rohani.” (Ef. 5:19)

THE PSALTER

A COLLECTION OF HYMNS AND SACRED POEMS, 1749

3/4 E = 1 (4 kruis)

♩ = 84

1 | 1 . 5 | 1 2 3 | 4 3 2 | 3 . 5 | 3 4 5 | 1 2 7 | 1 .

5 | 5 . 5 | 6 7 1 | 1 . 7 | 1 . 2 | 1 . 1 | 6 . 5 | 5 .

1. Ra - ja a - tas sga - la ra - ja, pa - tut di - a - gung - kan;

2. Ma - ri ki - ta sem - bah Al - lah da - lam ke - be - nar - an,

3 | 3 . 2 | 3 5 5 | 6 5 5 | 5 . 5 | 5 6 5 | 3 4 2 | 3 .

1 | 1 . 7 | 6 5 1 | 4 5 5 | 1 . 7 | 1 6 3 | 6 4 5 | 1 .

5 | 1 5 6 | 5 4 3 | 6 5 4 3 | 2 . 5 | 1 7 6 5 | 4 3 2 | 1 .

1 | 1 3 1 | 1 7 1 | 1 2 5 | 5 . 7 | 1 . 1 | 2 1 7 | 1 .

1. Pe- ngua - sa a - lam se - mes - ta, pa - tut di - mu - lia - kan.

2. De- ngan sya - ir, ki-dung, maz-mur, me - mu - ji ka - sih- Nya.

3 4 | 5 . 4 | 5 . 5 | 4 5 6 7 1 | 7 . 5 4 | 3 4 5 | 6 5 4 | 3 .

1 2 | 3 1 4 | 3 2 1 | 4 3 2 1 | 5 . 5 | 6 4 3 | 4 5 5 | 1 .